

अहंभाव दिखलाने के लिए किए जाने वाले अनावश्यक क्रिया कलाप जैसे- मैं अमुक वस्तु नहीं खाता, मुझे तो ऐसी ही आदत है इत्यादि बोलना या प्रदर्शन करना इत्यादि 3. नाज नखरा मुहा. नखरा उठाना- खुशाम्द करना; नखरा बखारना- अपना बड़पन जताना।

नखरायुध/नखयुध पुं./वि. (तत्.) नाखूनों को शस्त्र की तरह प्रयोग करने वाला, शेर, चीता, कुत्ता, बिल्ली, मुर्गा आदि प्राणी।

नखरेबाज पुं./वि. (फा.) नखरा करने वाला व्यक्ति, नखरीला।

नखरौट स्त्री. (देश.) नाखून की खरौट, शरीर पर नाखून चुभाने से पड़ा निशान, नाखूनों से किए गए घावों के निशान।

नखविष्किर पुं. (तत्.) शिकार को नाखूनों से फाड़कर खाने वाला जानवर जैसे- शेर, बाज आदि टि. शास्त्रों में ऐसे जानवरों का माँस खाना निषिद्ध है।

नखवृक्ष पुं. (तत्.) नील का पेड़।

नखशिख क्रि.वि. (तत्.) पैर के नाखूनों से लेकर चोटी तक 1. आमूल चूल 2. पूर्णतया पुं. 1. नख से शिख तक, पैर के सिर तक के 14 अंग 2. वह काव्य जिसमें किसी देवता या नायक-नायिका के सभी अंगों का वर्णन हो वि. सभी अंगों से संबंधित जैसे- नखशिख वर्णन।

नखशूल पुं. (तत्.) नाखूनों में होने वाला दर्द, नाखून के आसपास या जड़ में घाव या पीड़ा होती है।

नखांक पुं. (तत्.) 1. व्याघ्रनखी, व्याघ्रनख 2. शरीर के किसी अंग पर नाखूनों से बना निशान।

नखानखि स्त्री. (तत्.) नाखूनों द्वारा की जाने वाली लड़ाई वि./पुं. नाखूनों से नोच-नोचकर किया जाने वाला युद्ध, तु. केशाकेशि, दंडादंडि।

नखाबु पुं. (तत्.) नील का पेड़।

नखाशी पुं. (तत्.) उल्लू वि. नाखूनों की सहायता से खाने वाला।

नखास पुं. (अर.) 1. पशुओं का बाजार, विशेषतः घोड़ों का बाजार 2. सामान्य बाजार।

नखियाना क्रि.अ. (देश.) नाखून चुभाना या नाखून से खरोचना।

नखोटना स.क्रि. (देश.) नाखून से खरोचना या नोचना।

नग पुं. (तत्.) 1. गमन न करने वाला, पर्वत, वृक्ष 2. सात की संख्या बताने वाला शब्द 3. सूर्य 4. सर्प (फा.) पत्थर या शीशे का रंगीन टुकड़ा जो शोभा के लिए आभूषणों में लगाया जाता है।

नगज वि. (तत्.) पर्वतों से उत्पन्न या प्राप्त पुं. (तत्.) हाथी।

नगजा स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती 2. कोई पर्वतीय स्त्री 3. पाषाणभेदी लता।

नगण पुं. (तत्.) छंदः शास्त्र में वर्णित आठ गणों में से एक जिसमें तीनों वर्ण लघु होते हैं जैसे- सरस, दहन, कुशल आदि।

नगण्य वि. (तत्.) जो गणना करने योग्य न हो, अत्यंत साधारण, क्षुद्र।

नगद वि. (अर.) 1. तत्काल उपलब्ध (धनराशि) 2. तैयार (रुपया) 3. खास।

नगद नारायण पुं. (अर.+तत्.) रुपया पैसा, धनराशि, द्रव्य।

नगधर पुं. (तत्.) पर्वत को धारण करने वाले, गिरिधर, श्रीकृष्ण।

नगनंदिनी स्त्री. (तत्.) हिमालय पर्वत की पुत्री, पार्वती।

नगनदी स्त्री. (तत्.) पर्वत से निकलने वाली या बहने वाली नदी, पहाड़ी नदी।

नगनी स्त्री. (तत्.) 1. कन्या जिसे रजोधर्म प्रारंभ न हुआ हो 2. कन्या, बालिका।

नगपति पुं. (तत्.) 1. पर्वतराज हिमालय 2. चंद्रमा जो वनस्पतियों, ओषधियों का स्वामी माना जाता है 3. सुमेरु पर्वत।